AstroVidhi.com

Astrology Report

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नम् कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा॥

+91 9015 610 389 support@astrovidhi.com

卐 भाग्यफल 卐

अगर आपको ज्योतिष की समझ नहीं है तो यहां क्लिक करें।

sandeep	
जन्मतिथि	06 अक्टूबर 1988 गुरुवार
जन्म समय	07:10:00 PM
जन्मस्थान	Delhi, India
अक्षांश	28.42N
देशान्तर	077.06E
अयनामस	लाहिड़ी
मांगलिक दोष	निरस्त मांगलिक दोष
चंडाल दोष	नहीं
पितृ दोष	नहीं
कालसर्प दोष	नहीं
गंडमूल दोष	हाँ
अंगारक दोष	नहीं
केमद्रुम दोष	नहीं
प्रेत बाधा दोष	नहीं
नाग दोष	हाँ
अवसाद योग	नहीं
शनि साढ़ेसाती	नहीं
मोक्ष योग	नहीं
पंच कोटि योग	हाँ
पंच महापुरुष योग	
रुचक योग	नहीं

Astrovidhi

भद्र योग	**नहीं**
हम्सा योग	**नहीं**
मालव्य योग	**नहीं**
शष योग	**नहीं**

रत्न सलाह : आपके लिए शुभ रत्न नीलम है जिसे मध्यमा अंगुली में धारण किया जाता है। शनिवार के दिन शाम को ७:३० से ८ बजे के बीच इसे धारण करने का सबसे उत्तम समय माना गया है। यह ५ रत्ती या ४.५ कैरेट का ही धारण किया जाता है। इसके अलावा आप नीलम का उपरत्न एमेथिस्ट और लैपिस लजुली मध्यमा अंगुली में चांदी या अष्टधातु में जड़वाकर धारण कर सकते हैं। ५ रत्ती या ४.५ कैरेट का यह रत्न आपको शनिवार के दिन शाम को ७:३० से ८ बजे के बीच धारण करना है।

रुद्राक्ष सलाह : आपको एक या बारह मुखी रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। १२ मुखी रुद्राक्ष से आपको कई लाभ मिलते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष को भगवान शिव और बारह मुखी रुद्राक्ष को विष्णु जी का स्वरूप कहा गया है।

Astrovidhi

आपकी जन्मकुंडली

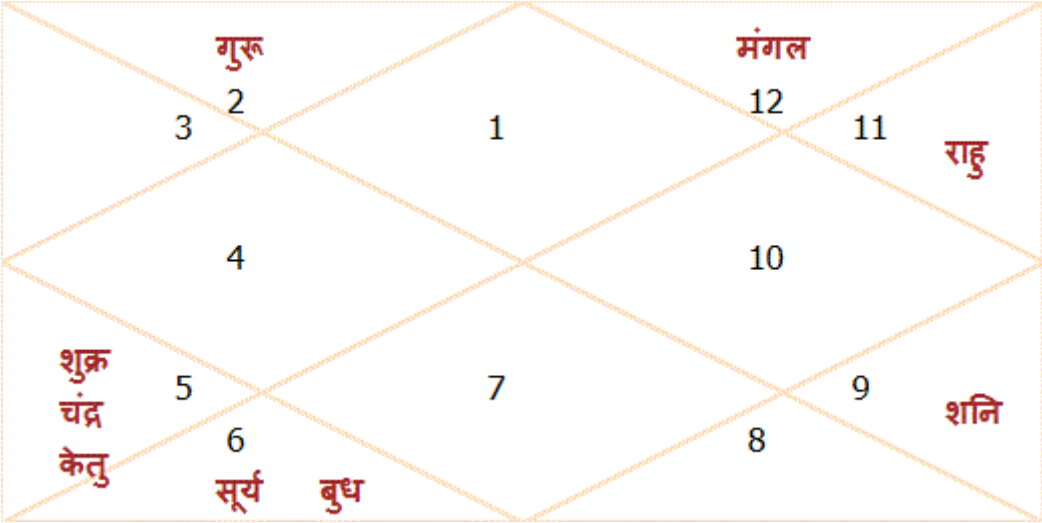

आपकी भाव चलित कुंडली

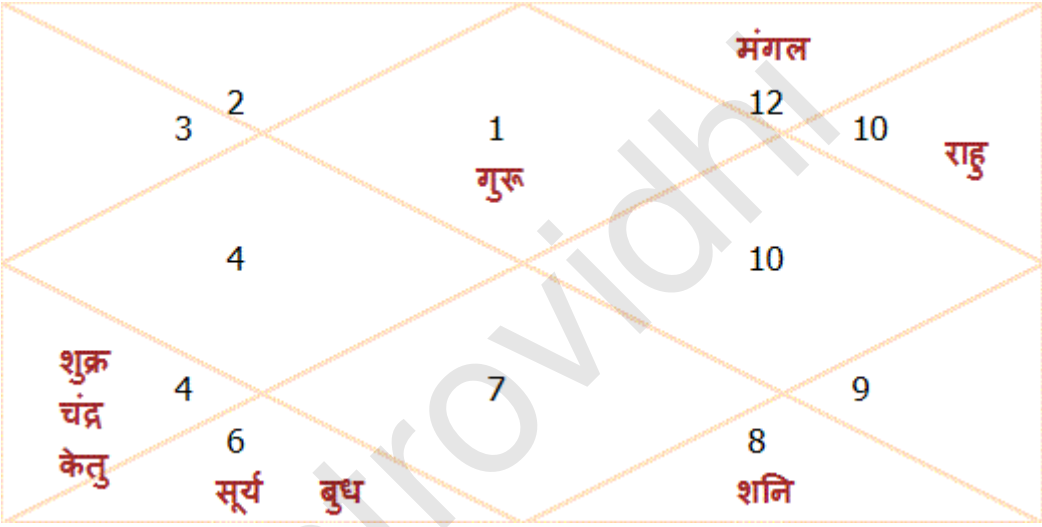

नवांश जन्मकुंडली

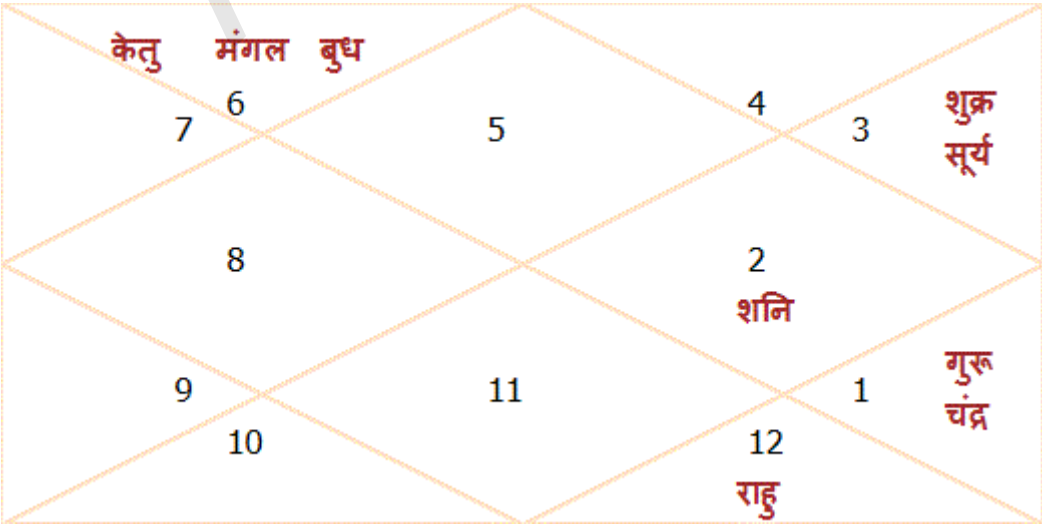

Astrovidhi

दशांश जन्मकुंडली

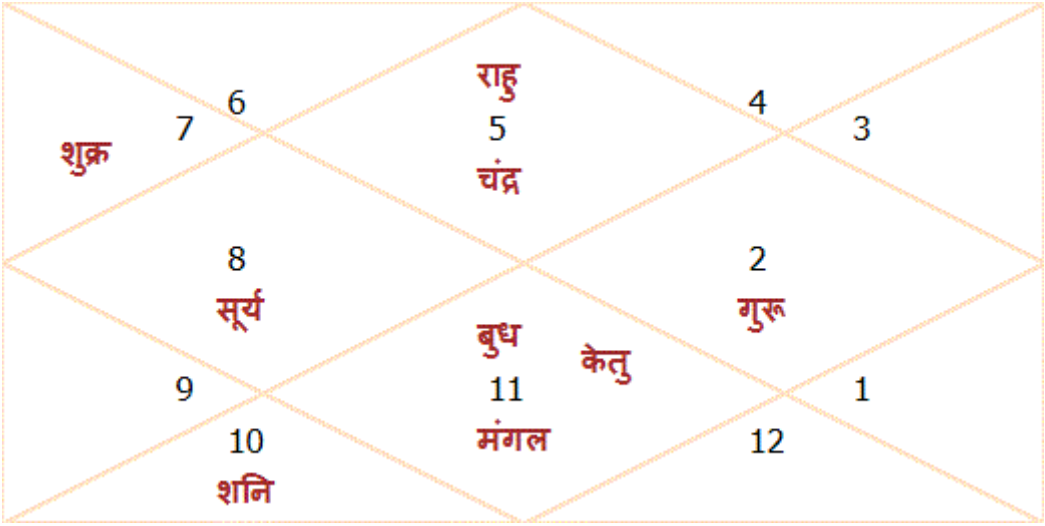

Astrovidhi

लग्न

मेष

राशि

सिंह

आपका नक्षत्र

माघ

भाग्य रत्न

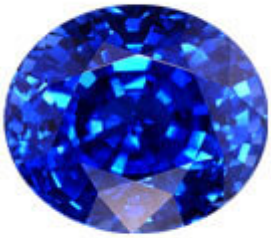

नीलम

शुभ उपरत्न

कटेला और लाजवर्त

शुभ रंग

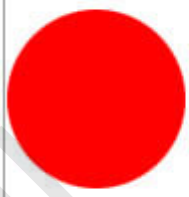

लाल

काला

शुभ अंक

शुभ दिन

मंगलवार

इष्ट देव

श्री हनुमान

Astrovidhi

प्रिय जातक

अपना भविष्यफल प्राप्त करने के लिए आपको शुभकामनाएं। भविष्यफल के आधार पर अपनी योजनाएं तैयार कर सकते हैं। हमारी ओर से आपके मंगल और सुखी भविष्य के लिए बहुत शुभकामनाएं। इस रिपोर्ट को डाउनलोड करने के लिए धन्यवाद।

लग्न अनुसार आपका व्यवहार और विशेषताएं।

आपको पढ़ना काफी अच्छा लगता है। विज्ञान और दर्शन शास्त्र में आपकी रुचि ज्यादा है। आप स्वभाव से मैत्रीपूर्ण, आक्रामक, स्वार्थी और मेहनती होते हैं। आप जो भी काम करते हैं उसमें अपना टॉप करना चाहते हैं। आप जीवंत, चंचल और फैशन को पसंद करने वाले होते हैं। आपको चमकीले रंग के कपड़े पहनना पसंद होता है। आपका शरीर किसी एथलीट के जैसा होता है एवं आपके नैन-नक्श भी अच्छे होते हैं। करियर और पैसों के मामले में आपे किसी भी तरह का समझौता करना पसंद नहीं करते हैं। आप प्रशासनिक सिविल सर्विस, पुलिस, मिलिट्री, राज्य सरकार और ऑफिस, बिजनेस या खेल में अच्छा काम करते हैं। आपको अपने प्रयासों की वजह से ही सफलता मिलती है।

जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति के अनुसार प्रभाव।

छठे भाव में बैठा सूर्य

सूर्य के इस भाव में होने पर जातक राजनीति में सफलता पाता है। आप कहीं से भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अपने ज्यादातर कार्यों में सफल होते हैं। अपने जीवन में बहुत लोकप्रिय बनते हैं। किसी गंभीर रोग या कार्डिएक का खतरा रहता है इसलिए इन्हें अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए।

कन्या राशि में सूर्य का फल

आप बहुत ज्यादा बातें करते हैं और अधिकतर फिजूल की बातें करते हैं। आप लेखन कार्य में अच्छे होते हैं लेकिन आपका शरीर कमजोर होता है। आपको ज्ञान अर्जित करना और बांटना अच्छा लगता है।

Astrovidhi

आमतौर पर आप खुश रहना ही पसंद करते हैं। आपको जीवन में सामान्य रूप से ही प्रगति मिलती है। नए लोगों और नई जगहों पर जाना आपको बिलकुल अच्छा नहीं लगता है। आपको हर काम बखूबी करते हैं। आप काफी संवेदनशील होते हैं। कभी-कभी आप दूसरों को नखरे भी दिखाते हैं। अपको अपना काम प्राइवेट रखना ही अच्छा लगता है। आप अपने काम करने का तरीका किसी को बताना नहीं चाहते हैं। आप हमेशा दूसरों से अपने काम की प्रशंसा सुनना चाहते हैं लेकिन कभी इस बात को जाहिर नहीं करते हैं।

पांचवें भाव में बैठा चंद्र

आप ईमानदार, ज्ञानी और ईश्वर से डरने वाले होते हैं। रोज अपने ईष्ट देव की पूजा करते हैं। मंत्र सिद्धि का ज्ञान भी होता है। कोई बड़े अधिकारी या सलाहकार भी बन सकते हैं। आपके विचारों में स्पष्टता होती है। अपनी संतान से सुख प्राप्त होता है। जमीन, महंगे रत्न और आभूषण की प्राप्ति होती है। सट्टे से भी फायदा होता है।

सिंह राशि में चंद्र का फल

आपको आकर्षण का केंद्र बनना पसंद होता है लेकिन आप पब्लिक में नहीं बल्कि अपने परिवार के बीच आकर्षण का केंद्र बनते हैं। दोस्तों के बीच काफी लोकप्रिय होते हैं। अच्छे मेजबान होते हैं। आप प्यार और सम्मान देने में कभी कोई कमी नहीं छोड़ते हैं लेकिन जब आपको बदले में ये सब नहीं मिलता है तो आपका दिल टूट जाता है। आप दूसरों को अपना दुख नहीं दिखाते हैं। आप अपने स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। आपको दूसरों का हुकुम सुनना पसंद नहीं। आप बहुत जल्दी किसी के लिए नहीं बदलते।

बारहव भाव में बैठा मंगल

आपकी पत्नी की मृत्यु हो सकती है। आप दुर्बल और स्वार्थी होते हैं। आप अकेले अपनी मंजिल पाने का

Astrovidhi

साहस रखते हैं। आपके कम दोस्त ही होते हैं। आपमें आत्मविश्वास की कमी होती है एवं आगे बढ़ने के लिए आपको प्रेरणा की जरूरत होती है।

मीन राशि में मंगल का फल

आप दूसरों का अनुसरण करते हैं। आप अपना रास्ता खुद नहीं बनाते। आप कुछ बदलने का प्रयास नहीं करते और जो जैसा चल रहा है उसे वैसा ही रहने देते हैं। आपको पता ही नहीं होता आपको अपने जीवन में क्यार हासिल करना है। आप काफी मूडी होते हैं और इसलिए दूसरे आपको समझ ही नहीं पाते हैं।

छठे भाव में बैठा बुध

बुध के छठे भाव में होने पर जातक अपने शत्रुओं से भयभीत रहता है। प्राथमिक शिक्षा में सफलता मिलती है। समाज में मान-सम्मान मिलता है। आपको दिखावा करना पसंद होता है। आप झगड़ालू प्रवृत्ति के होते हैं और समय के साथ आपको मनोवैज्ञानिक विकार हो सकता है।

कन्या राशि में बुध का फल

आप सादा जीवन जीना ही पसंद करते हैं लेकिन दूसरों से प्रशंसा सुनना आपको अच्छा लगता है। आपको सभी चीज़ों क्रम में अच्छी लगती हैं और ऐसा न होने पर आपको बुरा लगता है। आप बहुत बढिया आयोजक और योजनाकार होते हैं। अपना काम पता होने पर आप उसे परफैक्ट तरीके से करते हैं। आप आसानी से किसी भी काम को सीख लेते हैं। आप बड़े आराम से रोज़मर्रा के कामों को संभाल लेते हैं लेकिन अगर आपका काम दूसरों को दे दिया जाए तो आप खुद को नज़रअंदाज़ महसूस करते हैं।

दूसरे भाव में बैठा गुरू

दूसरों को देना या दान करना आपको अच्छा लगता है. आप अच्छे कर्म करने में विश्वास रखते हैं।

Astrovidhi

आपको अपनी लाइफ में उत्तम जीवनसाथी की प्राप्ति होती है। आपको अपने साथी के साथ छोटे-छोटे और बेकार के मुद्दों पर बहस करने से बचना चाहिए। आपको वृश्चिक और मीन राशि के लोगों द्वारा आमदनी होती है। चाव खाने में वसा अधिक होता है।

वृष राशि में गुरू का फल

आप काफी स्वार्थी होते हैं। आप खाने के शौकीन होते हैं और बहुत ज्यादा खाते हैं। आप प्रैक्टिकल होते हैं एवं अपने प्रयासों के फलीभूत होने से आपको प्रोत्साहन मिलता है। आपको रिस्क लेना पसंद नहीं होता इसलिए आप सुरक्षित रास्ते पर ही चलते हैं और खतरों से बचकर रहते हैं। पैसों के मामलें में आप काफी ईमानदार होते हैं। आप अपने पैसों की बर्बादी नहीं करते हैं। स्टॉक और बिजनेस में आप मुनाफा कमाते हैं।

पांचवें भाव में बैठा शुक्र

संतान के रूप में पुत्री की प्राप्ति जरूर होती है। दोस्त और बच्चे दोनों ही ज्यादा होते हैं। कवि, गीत लेखक, संगीतकार, गायक और अभिनेता बन सकते हैं। सरकार से सम्मान प्राप्त होता है। जुए, सट्टा और लॉटरी से पैसा कमाते हैं। अपने जीवन में बहुत यात्रा करनी पड़ती है एवं आपको लोकप्रियता मिलती है।

सिंह राशि में शुक्र का फल

रिलेशन के मामले में आप चाहते हैं कि आपका पार्टनर आपको स्पेशल फील करवाए और आपकी ईगो का भी ध्यान रखे। आप बहुत ईमानदार होते हैं। प्यार में आपको बहुत ज्यादा ही उम्मीदें होती हैं। किसी का अलग व्यवहार आपको हैरानी में डाल देता है। सेक्स से ज्यादा प्यार आपके लिए जरूरी होता है। आपको हर चीज़ में संतुष्टि चाहिए और आप चाहते हैं कि हर कोई आपसे बड़े प्यार से बात करे। आप दिखावा करने के चक्कर में बहुत पैसा खर्च करते हैं। महंगे तोहफे देना आपकी आदत है।

Astrovidhi

नौवें भाव में बैठा शनि

आपको शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति मिलती है। आपमें दार्शनिक गुण होता है। आप अध्यात्म से जुड़े होते हैं। आप कोई विदेशी भाषा सीख सकते हैं। आप पुरानी परंपराओं का पालन करते हैं और किसी भी बदलाव को आसानी से नहीं अपनाते हैं। लोगों से बात करने में कभी-कभी आप कटु भी हो जाते हैं। अपने जीवन में आप एक से ज्यादा घर बनाते हैं।

धनु राशि में शनि का फल

आप धर्म शास्त्र और अध्ययन के प्रति बहुत गंभीर होते हैं। आप नियमों से चलने वाले व्यक्ति हैं। आप जीवन में जो कुछ भी हांसिल करते हैं अपनी मेहनत के दम पर ही हांसिल करते हैं। आपके लिए सामाजिक मान-सम्मान बहुत महत्व रखते हैं। यह संभव है कि आप उस स्तर का अध्ययन ना प्राप्त कर सकें हो जिसकी आप इच्छा रखते हैं। आप बुद्धिमान है और स्वतंत्र विचारों से जीने वाले व्यक्ति हैं। आप शांत हैं और अपनी ही दुनिया में रहना पसंद करते हैं। अपनी बात को रखने के लिए आपके पास पर्याप्त तथ्य होते हैं और आप अपनी इसी कला से अपनी हर बात मनवा लेते हैं। अगर बात धर्म और संस्कार की हो तो आप बिल्कुल भी समझौता नहीं करते, इस कारण आपको कुछ लोग संकीर्ण मानसिकता का समझते हैं। आपको पढ़ना पसंद है जिसमें आपको सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए। आप दूरदर्शी हैं और ऐसी चीजों से खुद को जोड़ कर रखते हैं जहां रोमांच रहें। आप बहुत संयम से सोच समझ कर आगे बढ़ते हैं। आप परमात्मा से डरते हैं इसलिए कोई भी ऐसा काम करने से बचते हैं जो धर्म संगत न हो।

ग्यारहवें भाव में बैठा राहु

आप सेना या नौसेना में काम कर सकते हैं। आपको विदेशों से आमदनी होती है। आपको कान से संबंधित रोग हो सकता है। आपके कई रिलेशनशिप होते हैं लेकिन उनमें से कोई भी सीरियस नहीं होता है। ग्यारहवें भाव में बैठा राहु प्रेम संबंधों के लिए अच्छा नहीं होता है।

Astrovidhi

पांचवें भाव में बैठा केतु

आपकी संतान की आयु ज्यादा नहीं होती है। हाइपरएसिडिटी या पेट में ट्यूमर से परेशान रहते हैं। आपका रुझान अध्यात्म में रहता है।

जीवन पर राहू और केतु का प्रभाव

छाया ग्रह राहु ज्यादातर अशुभ प्रभाव ही देता है। ये कई चीजों से जुड़ा होता है एवं लोगों पर इसका प्रभाव अलग-अलग होता है। राहु के प्रभाव के बारे में कभी भी ज्योतिषियों का एकमत नहीं रहा है। भाव और राशि के अनुसार ही राहु के प्रभाव को जाना जा सकता है।

राहू और केतु की यह स्थिति आपको विचारों से बहुत दृढ़ बनाती है। आप जीवन में नई ऊचाइंयों को पाना चाहते हैं। भीड़ का हिस्सा बनना आपको बिलकुल पसंद नहीं है। जीवन में रोमांस बना रहता है। प्रेम संबंधों में समस्याएं भी आपके रोमांटिक अंदाज को हटा नहीं पाती। दूसरों को सुनने से ज्यादा अच्छा आपको अपनी बातों को पूरी ताकत से कहना पसंद है। राहू केतु की इस स्थिति के कारण आप उन पर भी संदेह करते हैं जो आपसे बहुत प्यार करते हैं। आपको पेट से संबंधित परेशानियां होती हैं। आप बहुत जल्दी उत्तेजित हो जाते हैं और इसी कारण से पूरे जीवन भर उथल पुथल रहता है।

कुंडली में ग्रहों की युति का फल

सूर्य और बुध की युति को बुधादित्य योग कहते हैं। यह सामान्य रूप से पाया जाने वाला योग है। इसके प्रभाव से आपकी गणनात्मक क्षमता बहुत तेज होती है। यह योग आपको मृदुभाषी बनाता है और आप बोलकर कसी का भी दलि जीतने की क्षमता रखते है। आप बेहतरीन अभिनेता, नर्दिशक या संपादक होते है। ऐसा कोई भी काम जसिमें आंकलन और बुद्धि का इस्तेमाल हो उसमें आप बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। बुधादित्य योग आपको अपनी बुद्धि के दम पर शासन करने की प्रतिभा भी देता है।

Astrovidhi

सूर्य की महादशा का फल

09 मई 2014 से 08 मई 2020

गुस्से पर नियंत्रण नहीं रहेगा। अपने कॉन्टैक्ट्स से आप फायदा उठा सकते हैं। मेडिसन के क्षेत्र में कुछ काम कर सकते हैं। तकनीक के क्षेत्र से भी आपको फायदा होगा। घर या दुकान में चोरी हो सकती है। वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। नाक, नेत्र, दांत और त्वेचा संबंधी परेशानी हो सकती है। अपच की भी दिक्कत रह सकती है। तला-भुना और मसालेदार भोजन से दूर रहें। सर्दी-खांसी से परेशान रहेंगें।

सूर्य की अंतरदशा का फल

09 मई 2014 से 26 अगस्त 2014

इस दौरान आपके अहं में बढ़ोत्तरी होगी। गुस्से पर काबू रखें। धैर्य में कमी आएगी। विदेश यात्रा के योग हैं। अपने कॉन्टैक्ट्स से आप फायदा उठा सकते हैं। मेडिसन के क्षेत्र में कुछ काम कर सकते हैं। तकनीक के क्षेत्र से भी आपको फायदा होगा। घर या ऑफिस में चोरी हो सकती है। वैवाहिक जीवन में परेशानियां बनी रहेंगी। पिता की वजह से परेशान रह सकते हैं। नेत्र, स्पाइन या दांत संबधी रोग होने की संभावना है। नौकरों से संतुष्ट नहीं रहेंगें। बिना किसी कारण के पैसा और समय दोनों बर्बाद करेंगें।

चंद्र की अंतरदशा का फल

27 अगस्त 2014 से 25 फरवरी 2015

सूर्य की महादशा और चंद्रमा की अंतरा के दौरान आपको प्रशासन से संबंधित कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ये दोनों ही शुभ ग्रह हैं और इस दौरान आपको इनका शुभ फल अवश्य प्राप्त होगा। दोस्तो, रिश्तेदारों, पत्नी और बच्चों की ओर से कोई फायदा मिल सकता है। कार्यस्थल में शत्रुओं को पराजित करेगें। घर में चोरी की संभावना है। करियर में ग्रोथ होगी। ऑफिस में ही विवाहेत्तर संबंध बन सकता है। गुस्से पर काबू रखें। खानपान की आदतों में बदलाव आ सकता है। अनीमिया या पेचिश से ग्रस्त रहने वाले हैं। जीवन में अच्छी चीज़ें भी होंगी लेकिन फिर भी आपके मन में अशांति रहेगी।

Astrovidhi

मंगल की अंतरदशा का फल

26 फरवरी 2015 से 03 जुलाई 2015

मंगल की अंतर्दशा के कारण आपके अहं और क्रोध में बढ़ोत्तरी होगी। ये आपके लिए अच्छा साबित नही होगा। आपको शांत रहकर दूसरों की बात सुननी चाहिए। कडवे वचन न बोलें। इस दौरान आप दूसरों को डॉमिनेट करने के बारे में सोच सकते हैं। रक्त संबंधित समस्या हो सकती है। कार्यस्थल में मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार में कोई उत्सव हो सकता है। कोई ज्वेलरी खरीद सकते हैं। इस दौरान किसी रिश्तेदार से बहस हो सकती है। किसी बड़े सरकारी अधिकारी की सहायता मिल सकती है। खानपान का ध्यान रखें।

राहु की अंतरदशा का फल

04 जुलाई 2015 से 27 मई 2016

राहू एक अशुभ ग्रह है और इस दौरान वह कोई भी अच्छा फल नहीं देता है। आपके साथ कुछ बहुत बुरा हो सकता है। यहां तक कि आपके घर चोरी भी हो सकती है। आपका कोई करीबी आपको धोखा दे सकता है। सपने में सांप दिखाई देंगें। कोई आपके ऊपर काले जादू का प्रयोग कर सकता है। काम या घर में गलतफहमी बढ़ सकती है। आर्थिक नुकसान की संभावना है। नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। आपके ऊपर कोई गलत आरोप लग सकता है जिसके कारण आपको मानहानि झेलनी पड़ सकती है। आपके सम्मान में कमी आएगी। पॉवरफुल लोगों से अनैतिक संबंध बन सकते हैं जिसकी वजह से आपको परेशानी आ सकती है।

गुरू की अंतरदशा का फल

28 मई 2016 से 15 मार्च 2017

गुरु को सबसे अधिक शुभ फल देने वाला ग्रह माना जाता है। इस अंतरा के दौरान आपको अपनी संतान से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। पुत्र की प्राप्ति भी हो सकती है। अन्य साधनों से आमदनी बढ़ेगी।

Astrovidhi

धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अपने से बड़ों का सम्मान करेंगें। वजन बढ़ सकता है। आपके मन में मोक्ष के विचार आ सकते हैं। आपके खाने में वसा और तेल की मात्रा बढ़ सकती है। अपच और लिवर संबंधी दिक्कत आ सकती है।

शनि की अंतरदशा का फल

16 मार्च 2017 से 25 फरवरी 2018

सूर्य की महादशा में शनि की अंतरा आपके शत्रुओं को मजबूत करती है। आपका मन समय पर काम करने का नहीं करेगा। हर तरफ से आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। दोस्तों का साथ नहीं मिलेगा। सरकारी अधिकारियों से भी निराशा मिलेगी। काम में देरी आएगी। शिक्षा के लिए भी अच्छा समय नहीं है। प्यार से वंचित रह सकते हैं। ऑफिस में अपनी साख को बचाने के लिए आपको अपने काम में सुधार लाना होगा। पेचिश या त्वचा से संबंधित परेशानी हो सकती है। यौन रोग की भी संभावना है। अपने लक्ष्य को पाने के लिए आप कोई गलत काम करने के बारे में सोच सकते हैं।

बुध की अंतरदशा का फल

26 फरवरी 2018 से 02 जनवरी 2019

इस अंतरा के दौरान आपको अपने रिश्तेदारों के कारण परेशानी उठानी पड़ सकती है। कोई छोटी-मोटी त्वचा संबंधी दिक्कत भी हो सकती है। सूर्य और बुध के मैत्री संबंध के कारण आपको बहुत ज्यादा मुश्किलों का सामना करना नहीं पड़ेगा। कुछ अच्छा हो सकता है। मन अशांत रहेगा लेकिन आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। आर्थिक स्थिति के लिए समय अच्छा है लेकिन आपको प्रयास करते रहना चाहिए। एकाग्रता में कमी आएगी।

केतु की अंतरदशा का फल

03 जनवरी 2019 से 10 मई 2019

सब कुछ ठीक होते-होते अचानक आपके काम बिगड़ने लगेंगें। इस दौरान आपको बहुत सावधान रहना

Astrovidhi

चाहिए क्योंकि आपको नेत्र, मुंह, अल्सर, एसिडिटी या दांत संबंधी कोई गंभीर रोग हो सकता है। आपको किसी अनचाही चीज़ की कीमत चुकाने के लिए कहा जा सकता है। इस वजह से कार्यक्षेत्र में आपके सम्मान में कमी आएगी। कोई आपके साथ धोखाधड़ी कर सकता है। आपको अपने पैसे और निवेश को लेकर सतर्क रहना है। रातोंरात करोड़पति बनने वाली स्कीमों से दूर रहें।

शुक्र की अंतरदशा का फल

11 मई 2019 से 08 मई 2020

इस अंतरा के दौरान आपको किसी महिला की वजह से परेशानी हो सकती है। बेवजह यात्रा करनी पड़ सकती है। पुराना बुखार जकड़ सकता है। आप चीज़ों को ठीक करने की कोशिश करेंगें लेकिन उसमें आपको सफलता नहीं मिलेगी। वैवाहिक संबंध में अशांति रहेगी। कान या सिर से संबंधित कोई दिक्कत आ सकती है। किसी महंगी वस्तु पर पैसे खर्च कर सकते हैं। सुंदरता के प्रति आकर्षित रहेंगें। अनैतिक संबंध बना सकते हैं।

चंद्र की महादशा का फल

09 मई 2020 से 08 मई 2030

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मूत्राशय, रक्त और फेफड़ों से संबंधित कोई रोग हो सकता है। अगर आप धूम्रपान या ड्रिंक करते हैं तो आपको इनका सेवन बंद कर देना चाहिए। घूमने का आपका शौक इस दौरान पूरा हो सकता है। नए लोगों से मिलना होगा और नए दोस्त भी बनेंगें। आप बहुत जिद्दी होने वाले हैं जिससे लोग जल्दी परेशान होने लगेंगें। धैर्य की कमी रहेगी। सेहत को लेकर आपको सतर्क रहना चाहिए क्योंकि अगली महादशा आपके लिए घातक हो सकती है। कोई भी निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह से सोच लें। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें।

चंद्र की अंतरदशा का फल

09 मई 2020 से 09 मार्च 2021

Astrovidhi

इस दौरान आपको शुभ फल मिलेंगें। सोशल स्टेटस और आमदनी में बढ़ोत्तरी होगी। सरकारी अधिकारियों से सहायता मिलेगी। इस दौरान आप अच्छे दोस्त बनाएंगें। परिवार के लिए नए कपड़े या ज्वेलरी खरीद सकते हैं। रिश्तेदारों के साथ संबंध अच्छे रहेंगें। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके क्रिएटिव स्किल्स बेहतर होंगें। सेहत भी अच्छी रहेगी और इम्यून सिस्टम मजबूत होगा।

मंगल की अंतरदशा का फल

10 मार्च 2021 से 08 अक्टूबर 2021

इस दौरान पैसों की बचत को लेकर आप परेशान रह सकते हैं। आसपास के लोगों के साथ तालमेल बनाने में दिक्कत आ सकती है। रिश्तेदारों के साथ टकराव हो सकता है। वैवाहिक जीवन में भी मुश्किलें आ सकती हैं। स्थान परिवर्तन करना पड़ सकता है। रक्त या कफ संबंधी दिक्कत हो सकती है। जरूरत के समय सहायता मिल जाएगी लेकिन प्रशासन आपके रास्ते में मुश्किलें खड़ी कर सकता है। परिवार में कोई परेशानी आ सकती है।

राहु की अंतरदशा का फल

09 अक्टूबर 2021 से 09 अप्रैल 2023

राहू, चंदमा का बहुत बड़ी शत्रु है और इस वजह से आपको थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। वैवाहिक जीवन या पर्सनल लाइफ में अचानक कोई दिक्कत आ सकती है। आपका काम भी इस वजह से प्रभावित होगा। प्रशासन से उपेक्षा मिल सकती है। आत्मविश्वास में कमी आएगी और आपका मन नकारात्मक विचारों से घिर जाएगा। इंसोमनिया से परेशान रह सकते हैं। सर्प से संबंधित बुरे स्वप्न आ सकते हैं। घर या ऑफिस में चोरी हो सकती है। फूड प्वॉइज़निंग भी हो सकती है। शत्रु आपके खिलाफ षडयंत्र रच आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गुरू की अंतरदशा का फल

10 अप्रैल 2023 से 08 अगस्त 2024

Astrovidhi

ये समय आपके लिए अच्छा रहेगा। चंद्रमा और गुरु एकसाथ हैं और यह गजकेसरी योग का निमार्ण कर रहे हैं। इस दौरान आपको पुत्र की प्राप्ति हो सकती है। आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। चौरिटी कर सकते हैं। कोई नया कोर्स शुरु कर सकते हैं। वजन बढ़ सकता है और इस वजह से आपको दिक्कत हो सकती है। लिवर और मूत्राशय संबंधी दिक्कत भी आ सकती है। प्रशासन से सहयोग प्राप्त होगा।

शनि की अंतरदशा का फल

09 अगस्त 2024 से 09 मार्च 2026

मानसिक रूप से अशांत रहने वाले हैं। कार्यों में देरी आएगी जिसकी वजह से आप कुंठित हो सकते हैं। इस दौरान आप थोड़ा आलसी बन सकते हैं। अगर आपको सुबह व्यायाम करने की आदत है तो इस समय आपकी इस आदत पर ब्रेक लग सकता है। अचानक मां की तबियत बिगड़ सकती है। दोस्तों और सहकर्मियों के साथ मतभेद हो सकते हैं। समय पर आप अभद्र भाषा का प्रयोग करेंगें जिस वजह से आपके मान-सम्मान में कमी आएगी। शांत रहें। आपको कई बुरी आदतें लग सकती हैं। आपकी हरकतों की वजह से परिवार में भी तनाव बढ़ेगा।

बुध की अंतरदशा का फल

10 मार्च 2026 से 08 अगस्त 2027

ये समय आपके लिए अच्छा साबित होगा। मां के परिवार की ओर से कोई लाभ मिल सकता है। दोस्तों या रिश्तेदारों की तरफ से भी फायदा मिलेगा। ज्ञानी लोगों से दोस्ती बढ़ेगी। आप अपने दोस्तों को अपने ज्ञान से इंप्रेस करने में सफल हो पाएंगें। कई चीज़ों के बारे में जानने को आप उत्सुक रहने वाले हैं। खर्चों में बढ़ोत्तरी हो सकती है। चौरिटी की वजह आप काफी पॉपुलर हो सकते हैं। बोलने में दिक्कत आ सकती है। प्रोफेशनल क्षेत्र में प्रशंसा होगी।

आपका वार्षिक भविष्यफल २०१७

वार्षिक भविष्यफल

साल २०१७ की शुरुआत में २६ जनवरी तक शनि, वृश्चिक राशि में रहेगा। २६ जनवरी के बाद शनि घर बदलकर धनु राशि में प्रवेश करेगा। ६ अप्रैल से शनि वक्री होकर २५ अगस्त के बाद मार्गी हो जाएगा। २१ जून तक शनि, वृश्चिक राशि में रहेगा जिसके बाद वह २६ अक्टूबर से स्थानि परिवर्तन कर धनु राशि में आएगा। १२ सितंबर तक बृहस्पति कन्या राशि में रहने वाला है। यह ६ फरवरी से वक्री होकर ९ जून को मार्गी होगा। १८ अगस्त तक राहु का सिंह राशि में गोचर होगा जिसके बाद वह कर्क राशि में प्रवेश करेगा। १८ अगस्त तक केतु, कुंभ राशि में रहेगा और उसके पश्चात् वह मकर राशि में प्रवेश करेगा। २७ जनवरी को शुक्र ग्रह मीन राशि से होकर ३१ मई तक यहां रूकेगा जिसके बाद वह मेष राशि में प्रवेश करेगा। इसके बाद आपके सभी कार्य सरलता से पूर्ण होंगें। यह ग्रह ४ मार्च से १५ अप्रैल तक वक्री होकर ३० अप्रैल से १३ जुलाई के बीच अस्त होगा। इस राशिफल में हम आपको इस साल होने वाली मुख्य घटनाओं, परेशानियों और उनके समाधान के बारे में बता रहे हैं। ध्यान रहे कि अन्य ग्रहों से ज्यादा प्रमुख ग्रहों में होने वाले बदलाव का जातक के जीवन पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

<u>सेहत के बारे में</u>

शनि, राहू और केतू की दशा से गुज़र रहे जातकों की सेहत खराब रह सकती है। आप आलस महसूस करेंगें। यौन रोग, रक्त संबंधी दिक्कत या मानसिक आघात हो सकता है।

<u>परिवार के बारे में</u>

सितंबर तक गुरु के शुभ प्रभाव के कारण आपका जीवन बढ़िया रहेगा। परिवार का पूरा साथ मिलेगा लेकिन जीवनसाथी आपसे दूर रहेगा। आप अपना गुस्सा दिखाने के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग कर सकते हैं। राहू की वजह से आपको मानसिक परेशानी हो सकती है। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी नए सदस्य का जन्म हो सकता है। शनि, राहू और केतू की अंतरा से गुज़र रहे जातकों

Astrovidhi

को ज्यादा नुकसान होने की संभावना है।

व्यापार और आर्थिक स्थिति के बारे में

केतु की दशा चल रही है तो आपको फायदा नहीं होगा बाकी अन्य लोगों के लिए अच्छा समय है। शुक्र के अस्त होने पर आप किसी नए काम की शुरुआत या निवेश कर सकते हैं। शनि के पांचवे भाव में होने के कारण आपके निवेश फेल हो जाएंगें। अगस्त में राहू बारहवें भाव में गोचर करेगा। ये आपको शुभ फल प्रदान करेगा। बैंक से लोन मिल सकता है।

करियर के बारे में

आपकी राशि के दसवें भाव में शुक्र बैठा है। ३१ मई तक आपको नुकसान होने की संभावना है। १३ के बाद गुरु की दशा में आपके करियर में ग्रोथ आएगी। शनि की दशा आर अंतरा चल रही है तो आपके करियर में परेशानी आ सकती है। अगस्त में राहू-केतू के राशि परिवर्तन करने पर आपके करियर में रफ्तार आएगी। इस समय आप नौकरी बदलने के बारे में सोच सकते हैं।

वैवाहिक जीवन के बारे में

सिंह राशि के सातवें भाव पर शनि की दृष्टि पड़ रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव आपके वैवाहिक जीवन पर पड़ेगा। १२ सितंबर के बाद संबंधों में थोड़ा सुधार आ सकता है। अगर आप इस साल फैमिली प्लांनिंग की सोच रहे हैं तो अभी के लिए इसे टाल दें। शनि की स्थिति के कारण आप दोनों के बीच अलगाव या तलाक हो सकता है।

इस वर्ष आपके लिए शुभ रत्न

सिंह राशि के लोगों को पीला पुखराज रत्न धारण करना चाहिए। इससे आपके करियर में रफ्तार आएगी।

Astrovidhi

इसके अलावा अगर आपकी कुंडली में दशा चल रही है तो आप अभिमंत्रित ओपल या राहू-केतु ताबीज़ भी पहन सकते हैं।

वैदिक उपाय

आपको आदित्य हृदय स्रोत, कनकधारा और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। मन की शांति के लिए श्रीसूक्तम का पाठ भी कर सकते हैं। आप लाल या पीले रंग के धागे में एक मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

आपका वार्षिक भविष्यफल २०१८

वार्षिक भविष्यफल

साल की शुरुआत में गुरु तुला राशि, शनि धनु राशि, राहु कर्क राशि और केतु मकर राशि में विराजमान रहेगा। २ मई से ६ नवंबर तक मंगल मकर राशि के गोचर करेगा और इस बीच वह २७ जून से २८ अगस्त तक वक्री भी होगा। मंगल की स्थिति हर साल इसी तरह रहती है।

सेहत के बारे में

गैस्ट्रिक समस्या हो सकती है। कंधे और मांसपेशियों में दर्द की संभावना है।

परिवार के बारे में

पारिवारिक जीवन में अशांति का माहौल रहेगा। अपने मामा से किसी बात पर असहमत हो सकते हैं। सामान्य बातों या मसलों पर विवाद हो सकता है एवं इसे शांत होने में समय लग सकता है। दादा-दादी के साथ भी कुछ दिक्कत आ सकती है।

व्यापार और आर्थिक स्थिति के बारे में

Astrovidhi

बिजनेस करने वाले जातकों के लिए अच्छा समय है। सब कुछ सामान्य रहेगा। स्टॉक और किसी से पैसा उधार लेने से बचें। किसी भी तरह की पार्टनरशिप की शुरुआत न करें। कार्य धीरे ही सही लेकिन पूर्ण होंगें। देरी से ही सही काम बनेंगें। अकारण ही मानसिक तनाव होगा।

करियर के बारे में

करियर के क्षेत्र में आपके कार्यों में देरी आ सकती है। आपकी कमी की वजह से आपका प्रदर्शन खराब हो सकता है। फिर भी आप मेहनत करेंगें और धीरे-धीरे सब ठीक होता नज़र आएगा लेकिन साल खत्म होते-होते आपको फिर नुकसान झेलना पड़ेगा। मई से नवंबर तक आपके करियर में कई उतार-चढ़ाव आएंगें। इस दौरान आप कई प्रोफेशनल संपर्क बनाएंगें लेकिन उनसे कोई लाभी नहीं मिल पाएगा।

वैवाहिक जीवन के बारे में

शनि की आपके सातवें भाव पर दृष्टि है। इस कारण वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं रहेगा। ११ अक्टूबर के बाद परिस्थिति और भी ज्यादा खराब हो सकती है। गर्भवती हैं तो इस साल आपके गर्भपात होने की संभावना है। शनि की वजह से आपका अपने पार्टनर से अलगाव या तलाक भी हो सकता है।

इस वर्ष आपके लिए शुभ रत्न

इस साल आपको पीला पुखराज धारण करने से फायदा होगा।

वैदिक उपाय

मंगल के प्रभाव को शांत करने के लिए शनिवार और मंगलवार के दिन उपवास करें। किसी भी मंगलवार को रक्त दान करने से भी लाभ होगा। शनि स्तोत्र और राम रक्षा स्तोत्र का रोज़ पाठ करें। गाय को चारा खिलाएं और ब्राह्मणों को पीले रंग के वस्त्र दान में दें। आपको पांच और नौ मुखी रुद्राक्ष एकसाथ धारण

Astrovidhi

करने से लाभ होगा।

हम आशा करते हैं ाप ये रिपोर्ट आपके रोर्जमर्रा के कार्यों से लेकर जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता करेगी। किसी भी प्रश्न का उत्तर जानने के लिए हमारे ज्योतिषाचार्य से तुरंत संपर्क करें।

Astrovidhi

आपको समझाने के लिए सेंपल जन्मकुंडली

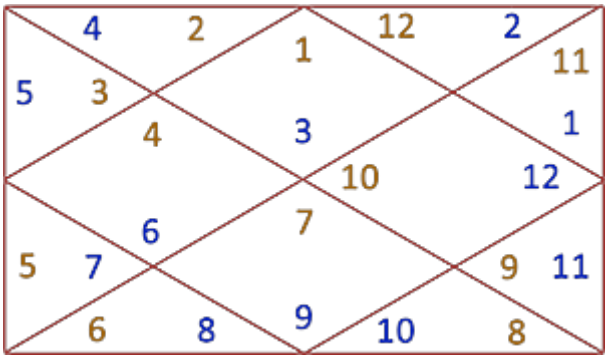

अपनी जन्मकुंडली कैसे पढ़ें

प्रिय जातक,

यह वैदिक ज्योतिष के अनुसार आपका भविष्यफल है, नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।.

जैसा कि आप जानते हैं कि हजारों वर्षों से वैदिक ज्योतिष कुंडली से संबंधित गणनाओं के लिए १२ भावों, १२ राशियों और ९ ग्रहों को ही देखा जाता रहा है। भूरे रंग से लिखे नम्बर कुंडली के भाव हैं और यह कभी परिवर्तित नहीं होते। वैदिक कुंडली पूरी दुनिया में एक जैसी ही बनावट वाली होती है। इसमें १ से लेकर १२ तक भाव होते हैं जिन्हें वामावत यानी की घड़ी की उल्टी दिशा में गिनते हैं। ब्रह्माण में हर चीज गतिमान अवस्था में है इस कारण से हमारी कुंडली में राशि और ग्रह परिवर्तन होता है। नीले रंग से लिखे गए नम्बर १२ राशियां हैं जो कि अलग-अलग कुंडली में अलग भाव में होते हैं। कुंडली में ९ ग्रह हैं जो कि जन्म के समय में अपनी स्थिति के अनुसार भावों में राशियों के साथ लिखे जाते हैं। भाव-ग्रह-राशि के कॉम्बिनेशन से ही भविष्यफल बताया जाता है। वैसे तो कुंडली में और भी चीजें हैं लेकिन इस जानकारी के साथ आप अपनी कुंडली को आसानी से देख सकेंगे।

भावों का महत्व:

Astrovidhi

वैदिक ज्योतिष में १२ भावों को व्यक्ति के जीवन से संबंधित अलग-अलग चीजों से देखा जाता है जो कि निम्न हैं:

- पहला भाव : स्वयं, शरीर, कद-काठी, सम्मान
- दूसरा भाव : परिवार, भोजन, बैंक बैलेंस, चेहरा
- तीसरा भाव : छोटे भाई-बहन, छोटी यात्राएं, बोलचाल-हावभाव, वाकपटुता
- चौथा भाव: शिक्षा, माता, हृदय, मोटर-गाड़ी, जमीन, जमीन
- पांचवा भाव : बच्चे, समझदारी, शेयर-सट्टा, मंत्र सिद्धि, बीता हुआ समय
- छठा भाव : शत्रु, ऋण, सेहत
- सातवां भाव : विवाह, व्यापार, व्यापारिक साथी, विदेश यात्राओं
- आठवां भाव : जीवन, छुपा हुआ धन, अनुसंधान, जादू-टोना, मृत्यु का प्रकार
- नवां भाव : भाग्य, पिता, लंबी यात्राएं, उच्च शिक्षा
- दसवां भाव : कार्य, सामाजकि जीवन, समाज में सम्मान, प्रसिद्धि
- ग्यारवां भाव : दोस्त, मनोकामनाओं की पूर्ती, बड़े भाई, पक्ष
- बारहवां भाव : अस्पताल, खर्च, रक्त चाप, गोपनीयता

व्यक्ति से जुड़ी इन चीजों को देखने के लिए संबंधित भाव देखते हैं। जैसे कि भाव तो स्थिर होते हैं और राशि का एक तय क्रम होता है किन्तु ग्रह हमेशा अपना स्थान बदलते रहते हैं और एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते रहते हैं। इन्हीं की स्थिति के अनुसार किसी के जीवन में घटित घटनाओं का अनुमान लगाया जाता है। आइए जानते हैं कि राशि के क्या खास गुण हैं जिनसे उन्हें जाना जाता है:

- मेष: आग, अग्निशमन विभाग, दिमाग, मट्टी, खून, हथियार, सेना, बहादुरी, अभियंत्रक
- वृषभ: गला, नाक, वाइन, बियर, फल, खुशबू

Astrovidhi

- मिथुनः फेफड़ा, सांस, नसें, प्रेस, प्रिंटिंग, रेडियो, टेलीफोन
- कर्कः छाती, सीना, रक्त, पाचन, पानी की टंकी, समुद्र, नदी
- सिंहः दिल, रोग प्रतिरोधक क्षमता, हड्डियां, अनाज, दालें, गेंहू, चावल, सोना
- कन्याः पेट, पाचन, अध्यापक, वाणिज्य और चिकित्सा
- तुलाः भ्रूण, मुत्र वाहिकाएं, शुक्राणु, कमर, सौंदर्य प्रसाधन, सजावट का सामान, चित्रकारी, चित्र, दूध से बनी चीजें
- वृश्चिकः योनी, गुदा, जहर, रसायन, विस्फोटक, मूंगफली, पेट्रो-रसायन
- धनुः कानून, दर्शन, धर्म, वसा, तेल, काजू, बादाम, हवाई जहाज
- मकरः जोड़, हड्डियां, त्वचा, कोल्ड ड्रिंक्स, फ्रीजर, एअर कंडीशन, सीमेंट आदि
- कुंभः कान, पैर, ऊन, हवाई जहाज, छोटे जहाज, पुल, पंपसेट
- मीनः नमक, मछली, सबमरीन, मोती, पासपोर्ट कार्यालय, अंतरराष्ट्रीय एजेंसी, योग और आध्यात्म

इसी तरह से नौ ग्रह भी अपने कुछ विशेष गुण रखते हैं जो कि निम्न हैं:

- केतुः नाना, बात-चीत, गलत कार्य
- शुक्रः पत्नी, गाडियां, महंगी वस्तुएं, सेक्स लाइफ, कपड़े, मुत्र वाहिकाएं
- सूर्यः आत्मा, पिता, शक्ति, आंख, दिल
- चंद्रमाः दिमाग, माता, संपत्ति, ख्याति, रोमांस
- मंगलः क्षमता, बीमारी, निडर, साहस, सेना, लड़ाई
- राहूः दादा, दादी, कीड़े, जादू-टोना, नीचले स्तर के लोग, परेशानियां
- गुरूः फेफड़ा, बच्चे, सेहत, परिवार, सदाचार, वसा
- शनिः निराशा, जीवन, मृत्यु, दुर्घटना, परेशानियां, अचानक आने वाले संकट
- बुधः मामा, मामी, पाप, हंसी-मजाक, बुद्धी, वाणिज्य, संचार, इंटरनेट, तार्किक क्षमता

Astrovidhi

पश्चिमी सभ्यता के अनुसार ज्योतिष में अरुण, वरुण और प्लूटो को भी देखा जाता है लेकिन वैदिक ज्योतिष में इन ग्रहों की कोई मान्यता नही है। हाल ही में नासा ने भी इन पिंडों को ग्रहो की सूचि से बाहर कर दिया।

प्रिय जातक भाव, ग्रहों और राशियों को परस्पर एक दूसरे के सापेक्ष देखा जाता है और एक सक्षम ज्योतिषाचार्य इन चीजों को परस्पर देखकर कुंडली की विवेचना करता है।

If you have any query or suggestions please call +91 9015 610 389 to consult with our astrologers.

Astrovidhi